भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न 3743
मंगलवार, 12 अगस्त, 2025/21 श्रावण,1947 (शक) को उत्तरार्थ

महाराष्ट्र में सहकारी समितियों का डिजिटलीकरण

+3743. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः

क्या **सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में अब तक डिजिटलीकृत प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) की संख्या का राज्यवार और महाराष्ट्र में रायगढ़ लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित जिलावार ब्यौरा क्या है;
(ख) डिजिटलीकरण अभियान के एक भाग के रूप में महाराष्ट्र में पीएसीएस को कौन-कौन सी अवसंरचना और सॉफ्टवेयर समाधान प्रदान किए गए हैं;
(ग) क्या सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी समितियों के सदस्यों को कुशल डिजिटल प्रचालनों के लिए प्रशिक्षण दे रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार को रायगढ़ जैसे जनजातीय क्षेत्रों में डिजिटलीकरण के दौरान किन्हीं चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उनके समाधान के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
(ङ) छोटे किसानों और स्वयं सहायता समूहों की ऋण और सेवाओं तक सुलभता बढ़ाने में डिजिटलीकृत सहकारी समितियों की क्या भूमिका है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क): सरकार ने वर्ष 2022 में पैक्स के कम्प्यूटरीकरण के लिए केन्द्रीय प्रायोजित परियोजना शुरू की है। भारत सरकार ने प्रारंभ में 2,516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ कार्यशील पैक्स के कम्प्यूटरीकरण की परियोजना के अंतर्गत 63,000 पैक्स को अनुमोदित किया है जिसे अब 73,492 पैक्स को कवर करते हुए 2925.39 करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया गया है, जिसमें सभी कार्यशील पैक्स को ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) आधारित कॉमन राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर पर लाना शामिल है, जो उन्हें राज्य सहकारी बैंकों (StCBs) और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (DCCBs) के माध्यम से नाबार्ड के साथ लिंक करना शामिल है । राज्य-वार ब्योरा **संलग्नक-'क'** में दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, महाराष्ट्र में इस परियोजना के अंतर्गत कुल स्वीकृत पैक्स 12000 है। जिला-वार ब्योरा **संलग्नक -ख** में दिया गया है। जिसमें रायगढ़ जिला भी शामिल है, जिसमें 122 पैक्स हैं।

सभी 122 पैक्स को हार्डवेयर उपलब्ध करा दिया गया है और उन्हें ईआरपी सॉफ्टवेयर पर ऑनबोर्ड कर दिया गया है।

(ख): पैक्स परियोजना के कंप्यूटरीकरण के अंतर्गत, सभी स्वीकृत 12,000 पैक्स के लिए वेब कैमरा, यूपीएस, वीपीएन, बायोमेट्रिक डिवाइस, प्रिंटर के साथ डेस्कटॉप पीसी युक्त हार्डवेयर उपलब्ध कराया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत सॉफ्टवेयर समाधान ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) आधारित कॉमन राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर है।

महाराष्ट्र में, ईआरपी सॉफ्टवेयर अंग्रेजी और मराठी भाषाओं में उपलब्ध है जो पैक्स के विभिन्न कार्यकलापों के लिए अलग-अलग मॉड्यूल प्रदान करता है।

(ग): जी हाँ मान्यवर । सरकार कुशल डिजिटल परिचालन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित कर रही है । इस परियोजना के अंतर्गत पैक्स सदस्यों को प्रदान किए गए प्रशिक्षण और हैंड-होल्डिंग का ब्योरा **संलग्नक -ग** में दिया गया है। महाराष्ट्र में, परियोजना के अंतर्गत विभिन्न हितधारकों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनका विवरण निम्नानुसार हैः –

- मास्टर ट्रेनर्स के लिए एक बेसिक ओरिएंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम दिनांक 18 से 20 अगस्त 2023 तक आयोजित किया गया था, जिला सहकारी बैंकों और राज्य सहकारी बैंकों और SI से 224 मास्टर ट्रेनर्स की पहचान की गई थी ।
- मई और जून 2024 में 148 कोर मास्टर ट्रेनर्स (CMTs) के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था ।
- इसके अतिरिक्त, जुलाई और अगस्त 2024 के दौरान जिला सहकारी बैंकों और SI दोनों के 48 मास्टर ट्रेनर्स के लिए सभी जिलों में मास्टर ट्रेनर्स कार्यक्रम का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

(घ): जी नहीं मान्यवर । रायगढ़ जिले में पैक्स के कम्प्यूटरीकरण के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (DCCB) के माध्यम से बिना किसी चुनौती के प्रदान की गई हैं। सभी 122 स्वीकृत पैक्स को अब जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (DCCB) की मदद से ePACS में शामिल कर लिया गया है।

(ङ): पैक्स का डिजिटलीकरण छोटे और सीमांत किसानों के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के लिए ऋण और संबद्ध सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने में निम्नलिखित तरीकों से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैः

- ऋण संवितरण और पुनर्भुगतान में **बेहतर पारदर्शिता और जवाबदेही**, कमियों और विलंबता को कम करना।
- एकीकृत सॉफ्टवेयर प्लेटफार्मों के माध्यम से ऋण आवेदनों और सेवा अनुरोधों का **तेजी से प्रसंस्करण**
- **रियल-टाइम डेटा उपलब्धता**, बेहतर क्रेडिट योजना को सक्षम बनाना और अल्पसेवित वर्गों को शामिल करना।
- **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT)** एकीकरण, लाभार्थियों को सब्सिडी और योजनाओं का समय पर क्रेडिट सुनिश्चित करना
- **वित्तीय समावेशन के लिए सहायता**, पैक्स को बुनियादी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने और बैंकों के व्यवसाय प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाना।

- यह परिकल्पना की गई है कि जब पैक्स को ePACS में परिवर्तित किया जाता है तो लेखांकन, MIS और परिचालन में सुविधा के कारण अधिक कुशल हो सकता है, जो उन्हें अपने सदस्यों को बेहतर तरीके से सेवा देने में सक्षम बनाएगा, चाहे ये स्वयं सहायता समूह (SHGs) और किसान उत्पादक संगठन (FPOs) या व्यक्ति हों। यह सहायता पैक्स को अतिरिक्त कार्यकलापों को करने में सक्षम बना सकती है; जैसे CSC, उर्वरक इकाइयां, मिट्टी स्वास्थ्य परीक्षण, आदि जो उन्हें बेहतर सेवाओं को वितरित करने में मदद करता है। डिजिटाइज्ड सहकारी समितियां छोटे किसानों और स्वयं सहायता समूहों (SHGs)) के लिए ऋण और सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

*****

संलग्नक 'क'

पैक्स कम्प्यूटरीकरण परियोजना की स्थिति (30 जून 2025)

क्रम सं.	राज्य	अनुमोदित पैक्स	ईआरपी पर ऑनबोर्ड किए गए
1	महाराष्ट्र	12,000	11,954
2	राजस्थान	7,468	5,900
3	गुजरात	5,754	5,627
4	उत्तर प्रदेश	5,686	3,048
5	कर्नाटक	5,682	3,765
6	मध्य प्रदेश	5,188	4,428
7	तमिलनाडु	4,532	4,531
8	बिहार	4,495	4,460
9	पश्चिम बंगाल	4,167	3,145
10	पंजाब	3,482	3,408
11	ओडिशा*	2,711	-
12	आंध्र प्रदेश	2,037	2,021
13	छत्तीसगढ़	2,028	2,028
14	हिमाचल प्रदेश	1,789	965
15	झारखंड	2,797	1,414
16	हरियाणा	710	609
17	उत्तराखंड	670	670
18	असम	583	579
19	जम्मू और कश्मीर	537	536
20	त्रिपुरा	268	207
21	मणिपुर	232	175
22	नागालैंड	231	64
23	मेघालय	112	99
24	सिक्किम	107	103
25	गोवा	58	45
26	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	46	46
27	पुड्डुचेरी	45	43
28	मिजोरम	49	25
29	अरुणाचल प्रदेश	14	11
30	लद्दाख	10	10
31	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	4	4
	कुल	**73,492**	**59,920**

* ओडिशा हाल ही में इस परियोजना में शामिल हुआ है

संलग्नक- 'ख'

<u>पैक्स कम्प्यूटरीकरण परियोजना की स्थिति-महाराष्ट्र (30 जून 2025 तक)</u>

क्रम सं.	**राज्य**	**अनुमोदित पैक्स**	**ईआरपी पर ऑनबोर्ड किए गए**
1	अहमदनगर	946	946
2	धुले	175	175
3	जलगाँव	352	352
4	जालना	200	191
5	कोल्हापुर	1751	1725
6	नंदुरबार	111	111
7	पालघर	93	93
8	पुणे	1192	1192
9	रायगढ़	122	122
10	रत्नागिरी	287	282
11	सांगली	650	639
12	सतारा	933	942
13	सिंधुदुर्ग	214	214
14	ठाणे	144	144
16	अकोला	412	411
17	अमरावती	214	219
18	औरंगाबाद	305	305
19	बुलढाणा	201	200
20	हिंगोली	156	155
21	नागपुर	162	162
22	नासिक	614	615
23	परभणी	149	149
24	वाशिम	424	424
25	यवतमाल	210	210
27	बीड	200	200
28	भंडारा	135	135
29	चंद्रपुर	179	179
30	गढ़चिरौली	101	101
31	गोंदिया	121	121
32	लातूर	482	475
33	नांदेड़	64	64
34	उस्मानाबाद	156	156
35	सोलापुर	545	545
कुल योग		**12,000**	**11,954**

संलग्नक-'ग'

पैक्स प्रशिक्षण और हैंडहोल्डिंग ब्योरा				
क्रम सं.	राज्य	कुल स्वीकृत पैक्स का योग	पैक्स को प्रशिक्षण	पैक्स को हैंडहोल्डिंग
1	अंडमान और निकोबार	46	46	46
2	आंध्र प्रदेश	2037	592	1469
3	अरुणाचल प्रदेश	14	11	11
4	असम	583	539	572
5	बिहार	4495	1698	1336
6	छत्तीसगढ़	2028	2028	2025
7	दमन और दीव	4	0	4
8	गोवा	58	41	14
9	गुजरात	5754	5618	1440
10	हरियाणा	710	600	585
11	हिमाचल प्रदेश	1789	831	617
12	जम्मू और कश्मीर	537	533	465
13	झारखंड	2797	1368	168
14	कर्नाटक	5682	3702	24
15	लद्दाख	10	7	0
16	मध्य प्रदेश	5188	3900	4488
17	महाराष्ट्र	12000	6858	8520
18	मणिपुर	232	169	0
19	मेघालय	112	99	46
20	मिजोरम	49	25	23
21	नागालैंड	231	30	9
22	ओडिशा*	2711	0	0
23	पुड्डुचेरी	45	43	33
24	पंजाब	3482	948	861
25	राजस्थान	7468	5583	1847
26	सिक्किम	107	104	29
27	तमिलनाडु	4532	4531	3001
28	त्रिपुरा	268	207	159
29	उत्तर प्रदेश	5686	1098	0
30	उत्तराखंड	670	0	0
31	पश्चिम बंगाल	4167	3113	44
कुल योग		**73492**	**44322**	**27836**

* ओडिशा हाल ही में इस परियोजना में शामिल हुआ है